हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

करवा चौथ की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024

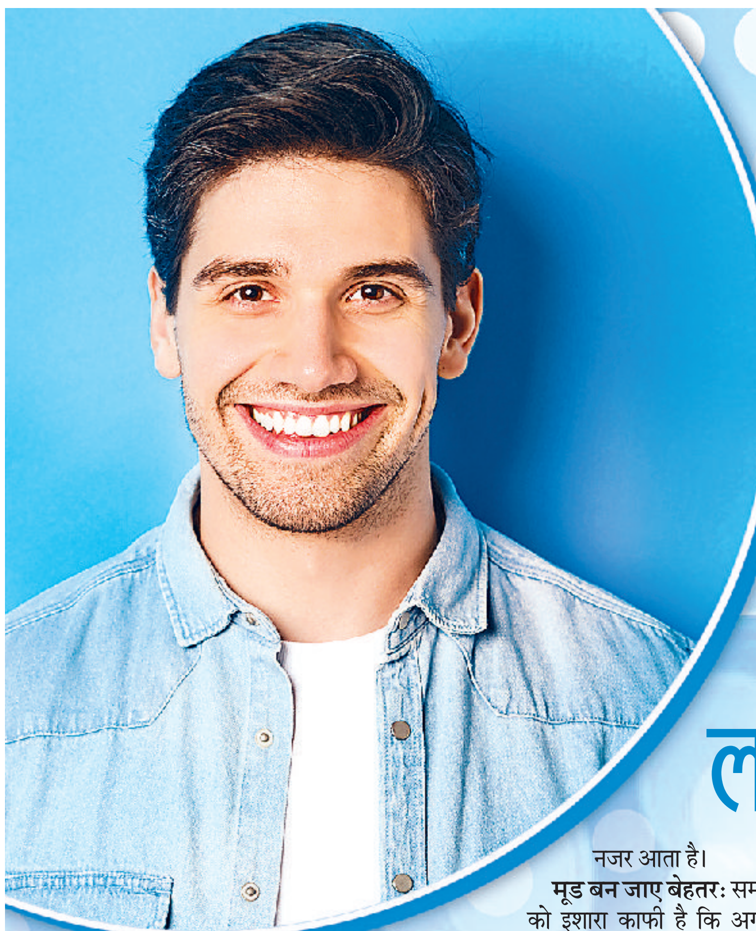

मुस्कुराहट एक ऐसी शारीरिक गतिविधि है, जो ना केवल हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, इससे हमारे जीवन में खुशी फैलती है। हम टेंशनफ्री होते हैं और हमारे सोशल सर्कल में हमारी इमेज भी पॉजिटिव बनती है। मजे की बात है, यह खूबी हम सभी के पास होती है तो फिर झिझक कैसी? आइए हम भी मुस्कुराएं, आप भी मुस्कुराइए।

स्माइल प्लीज...

लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

एक मुस्कुराहट आपके लाखों बिगड़े काम बना सकती है। एक मुस्कुराहट आपके भीतर अनगिनत सपने जगा सकती है। गुस्से से जल भुन रहे किसी व्यक्ति को एक हल्की सी मुस्कुराहट पानी-पानी कर सकती है। यह सिर्फ भावुक कवियों या दार्शनिकों के उदार आख्यान नहीं हैं। विज्ञान भी इन बातों के साथ अपनी सहमति जता चुका है कि मुस्कुराहट इंसान की बहुत बड़ी ताकत है। सिर्फ ताकत ही नहीं है, मुस्कुराने के अनगिनत फायदे भी हैं, चाहे हम उन फायदों को जानें या ना जानें।

तनाव-गुस्सा हो जाए गायब: आप बहुत तनाव या गुस्से में हों और किसी वजह से आप में हल्की सी मुस्कुराहट तैर जाए, तो समझिए कि आपका 50 फीसदी तनाव तो मुस्कुराहट के तैरने के साथ ही गायब हो जाएगा। दरअसल, एक छोटी से छोटी मुस्कुराहट भी हमारे न्यूरोपेप्टाइड्स के स्राव सक्रिय कर देती है और इससे तुरंत डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का तंत्र भी झनझना जाता है, जिस कारण ना सिर्फ तुरंत हमारा मूड बेहतर होता है बल्कि हम कहीं ज्यादा चैतन्य और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे हमारा व्यवहार ज्यादा सकारात्मक और आत्मीय हो जाता है। मुस्कुराहट सिर्फ हमारा तनाव ही कम नहीं करती बल्कि हमारे शरीर का रक्तसंचार भी बेहतर करती है।

क्योंकि इससे हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है। अगर हमारी मुस्कुराहट स्वाभाविक या प्राकृतिक नहीं है बल्कि कोशिशन है, तो इसके भी हमें फायदे मिलते हैं। विज्ञान साबित कर चुका है कि मुस्कराने से हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। इससे हमारे काम करने का ढंग प्रभावी हो जाता है। मुस्कुराहट हमारे शरीर में किसी भी किस्म के दर्द को कम या खत्म करती है, क्योंकि मुस्कुराने से हमारा शरीर एंडोर्फिन जैसे प्राकृतिक दर्द निवारक रिलीज करता है। हम यह भी ना भूलें कि मनोवैज्ञानिक ही नहीं ब्यूटी एक्सपर्ट भी इस बात को तथ्यात्मक रूप से मान चुके हैं कि मुस्कुराने से हम खूबसूरत दिखते हैं। मुस्कुराने से कुरूप से कुरूप व्यक्ति भी खूबसूरत नजर आता है।

मूड बन जाए बेहतर: समझने वाले को इशारा काफी है कि अगर स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में सकारात्मक रहना चाहते हैं तो जितना हो सके मुस्कुराहट का दामन थामे रहें। क्योंकि मुस्कुराहट हमारे मूड और स्वास्थ्य को हमेशा बेहतर बनाती है। यह किसी एक मनोवैज्ञानिक या शरीर वैज्ञानिक का दावा नहीं है बल्कि लाखों वैज्ञानिकों की लंबे समय तक की गई समीक्षाओं का निष्कर्ष है। सच पूछा जाए तो मुस्कुराहट किसी शख्स की सबसे बड़ी ताकत होती है।

दूसरों को मिलती है खुशी: मुस्कुराहट सिर्फ खुद को ही अनगिनत फायदे नहीं देती बल्कि यह दूसरों को भी मालामाल करती है। मुस्कुराने से सिर्फ आपका ही दिन नहीं बनता बल्कि यह दूसरों का भी दिन बना सकती है। निश्चित रूप से मुस्कुराहट एक ऐसी अनैच्छिक प्रतिक्रिया है, जो हमें खुशी देती है। अगर हम जान-बूझकर या कहें किसी नाटक के तहत भी मुस्कुराते हैं, तो उस मुस्कुराहट के भी नकारात्मक नतीजे नहीं निकलते बल्कि उससे भी फायदा ही होता है। मुस्कुराहट एक ऐसा संक्रामक प्रभाव है कि अगर हमारे इर्द-गिर्द कोई मुस्कुराता है, तो उसका भी हम सबको फायदा मिलता है यानी मुस्कुराने वाला और जिसके लिए मुस्कुराया जाए, सिर्फ उसे ही नहीं, अगर हम मुस्कुराने वालों के इर्द-गिर्द भी मौजूद हों, तो हमें भी उस मौजूदगी का लाभ होता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मुस्कुराना हम सभी की रोजमर्रा की जिंदगी में कितना फायदेमंद है।

जीते हैं लंबी जिंदगी: मुस्कुराहट के अनगिनत फायदे हैं, चाहे इसे जिस तरीके से विश्लेषित किया जाए। चाहे जैविक आधार पर देखा जाए, चाहे सामाजिक आधार पर समझा जाए और चाहे करियर या कारोबार में सफलता के तौर पर व्यक्त किया जाए। अगर हम जैविक रूप में देखें तो पाते हैं कि जिन लोगों को बात-बात पर मुस्कुराने और ज्यादातर मौकों पर खुश रहने की आदत होती है, वे ऐसे किसी भी व्यक्ति से ज्यादा जीते हैं, गुस्सा जिनकी नाक पर बैठा होता है और जो जिंदगी में ज्यादातर समय दुखी रहते हैं, छोटी सी बात पर परेशान हो जाते हैं, डल हो जाते हैं। ऐसे लोगों के मुकाबले जिंदगी को मुस्कुराकर गुजारने वाले चुनौतियों का मुस्कुराकर मुकाबला करने वाले लोग कहीं ज्यादा जीते हैं और इसका बहुत साधारण सा कारण है। जब हम मुस्कुराते हैं या हमारे सामने मौजूद कोई शख्स मुस्कुराता है तो उसकी मुस्कुराहट से या हमारी अपनी मुस्कुराहट से हमारा मूड बदल जाता है और हम लंबे समय तक सकारात्मक रहते हैं।

निखरती है सोशल इमेज: खुश होना, सकारात्मक रहना, स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए मुस्कुराने वाले लोग लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन पाते हैं। अगर हम दिन में कम से कम एक बार मुस्कुरा लें तो हमारे दिन भर का काफी हद तक तनाव खत्म हो जाता है। चेहरे की भाव भंगिमाएं, खूबसूरत और सकारात्मक हो जाती हैं, जिस कारण हम जिससे मिलते हैं, उसे तो अच्छा लगता ही है, हमें भी अच्छा लगता है, क्योंकि हम जिससे मिलते हैं, वह व्यक्ति हमसे अच्छा व्यवहार करता है। दिन भर में एक या दो बार भी अगर हम दिल से मुस्कुरा लें, तो हमारी सारी थकान खत्म हो जाती है। हम अभिभूत से दिखने लगते हैं। इससे हमारी सोशल इमेज निखरती है। लब्बोलुआब यह कि मुस्कुराना हमारी हमारी सफलता, हमारी खुशी का सबसे बड़ा सबूत होती है। *

मुस्कुराहट के प्रकार

वैसे मुस्कुराहटें तीन तरह की होती हैं। पहली तरह कि मुस्कुराहट एक ऐसी सौम्य मुस्कुराहट होती है, जो स्वीकृति, खुशी, संतोष और अनगिनत दूसरे सकारात्मक भावों को व्यक्त करती है। दूसरे किस्म की मुस्कुराहट वह होती है, जिससे हमें बल मिलता है, भरोसा मिलता है, अपनापन महसूस होता है, करुणा और सामाजिक जुड़ाव की उम्मीद बंधती है। लेकिन एक वर्चस्व की मुस्कान भी होती है या इसे चाहें तो हम प्रभुत्व की मुस्कुराहट भी कह सकते हैं। भगवान कृष्ण जब दुर्योधन की बड़ी-बड़ी डींगों पर हल्के से मुस्कुरा देते हैं, तो वह मुस्कुराहट दुर्योधन के सारे दावों पर पानी फेरना होता है। यह प्रभुत्व की मुस्कुराहट है। इस मुस्कुराहट से हम दूसरे को खारिज करते हैं, अपनी श्रेष्ठता दर्ज करते हैं और कभी-कभी ऐसी मुस्कुराहट से हम अपने अंदर की घृणा को भी व्यक्त करते हैं।

युवा पीढ़ी समझती है
वैवाहिक बंधन की महत्ता

विवाह का बंधन, ऐसा जुड़ाव है, जो दो इंसानों, परिवारों को ही नहीं जोड़ता, सामाजिक संस्कारों को भी आगे बढ़ाता है। आज की युवा पीढ़ी इस बंधन की महत्ता को अच्छी तरह समझती है। इस जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने में करवा चौथ जैसे पर्व बड़ी भूमिका निभाते हैं।

करवा चौथ विशेष

{ रिलेशनशिप
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक स्त्री-पुरुष के मन-जीवन का गठजोड़ शादी का रिश्ता, समाज की बुनियाद को मजबूती देता है। भविष्य की पीढ़ियों का आधार और पुरानी पीढ़ी को थामे रखने वाला सहारा बनता है। हमारे देश में विवाह संस्कार को पूरे समाज की ही बुनियाद माना जाता है। यही कारण है कि डिजिटल जुड़ाव से लेकर दुनियावी बदलाव तक, शादी से जुड़े बहुत से रंगों को नहीं बदल सके हैं। अच्छी बात यह है कि बहुत से युवा आज भी परंपरागत रीति-रिवाज से ना केवल शादी करने में बल्कि उसे निभाने में भी विश्वास रखते हैं। करवा चौथ जैसे पर्व, पति-पत्नी के मनोभावों के जुड़े रहने की भावना को और प्रगाढ़ करते हैं।

बरकरार है जिम्मेदारी का भाव: दुनिया के हर समाज में युवा पीढ़ी सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की वाहक होती है। ट्रेडिशनल रंग-ढंग लिए इन वैल्यूज को उनकी शादी-शुदा जिंदगी अगली पीढ़ी तक लेकर जाती है। दो इंसानों का आपसी स्नेह, संस्कारों की धरोहर भी सहेजता है। सुखद है कि युवा पीढ़ी अब परिवार की महत्ता समझ रही है। कमोबेश हर मोर्चे पर लाइफस्टाइल से जुड़े बदलावों को जीने वाली नई पीढ़ी में पारिवारिक जीवन की अहमियत समझने का भाव भी साफ दिखता है। हमारी परंपरागत और सांस्कृतिक जीवनशैली से जुड़े भाव-चाव को संवारते-संभालते युवा, परिवार तंत्र को बनाए रखने से जुड़े विश्वास को बल देते हैं। दुनिया के हर हिस्से में ही शादी-शुदा जीवन में आ रहे अलगाव और बिखराव से बचने के लिए जज्बाती बंधनों को बनाए रखने की सोच दुनिया भर में सराही जाती है। प्रोफेशनल, पर्सनल, रिश्ते-नातों और मनोभावों से जुड़ी हर जद्दोजहद के बीच भी यंग जनरेशन का विवाह के संबंध में भरोसा बने रहना, पूरे समाज के लिए सुखद है। कुछ समय पहले सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी से जुड़े पब्लिक फाउंडेशन-ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सर्वेक्षण में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों की एक श्रंखला को कवर करने वाली स्टडीज में सामने आया था कि हमारे यहां बड़ी संख्या में युवा परंपरागत ढंग से वैवाहिक बंधन में बंध रहे हैं। शादी डॉट कॉम द्वारा करवाया गया एक अध्ययन भी बताता है कि भारत में शादी को इमोशनल और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी से जोड़कर देखे जाने की सोच है। जीवन भर के साथ में ठहराव और लगाव के मायने समझने वाले युवा आज भी परिवार और जीवनसाथी के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखते हैं। यही सोच शादी के बंधन में बिखराव नहीं आने देती है।

साथ बने रहने की सोच: हमारे देश में आज भी डाइवोर्स का प्रतिशत बहुत कम है। भारत में तलाक की दर अब भी दुनिया की तुलना में केवल 1 प्रतिशत है। आज भी परिजन हों या खुद यंग कपल्स, छोटी-मोटी उलझनों को रिश्ता टूटने का कारण नहीं बनने देते। साथ रहते-जीते हुए सब कुछ सहज और मनचाहा नहीं हो सकता, यंग जनरेशन की ऐसी समझ वाकई सुखद है। दुनिया के हर हिस्से में बढ़ रहे डाइवोर्स केसेस के बीच भारत में बड़ी संख्या में युवक और युवतियां वैवाहिक संबंधों को लेकर बहुत सकारात्मक सोच रखते हैं। यह सोच उनके घर-परिवार से जुड़े रहने की सोच का ही एक पहलू है। फैमिली से जुड़े रहने से ना केवल समय के साथ बढ़ती उलझनों को सुलझाने में पैरेंट्स की सलाह-समझाइश मिलती है बल्कि शादी-शुदा जिंदगी में सम्मानजनक व्यवहार को भी बल मिलता है। इससे पारिवारिक माहौल में बहुत पॉजिटिव बदलाव आ रहे हैं। एक ओर लव मैरिज से जुड़े बच्चों के फैसले अभिभावक खुशी-खुशी स्वीकार करने लगे हैं तो दूसरी ओर बहुत से बच्चे भी लाइफ पार्टनर को लेकर पैरेंट्स के चुनाव को अहमियत देते हैं। यह शेयरिंग-केयरिंग का पहलू पूरे फैमिली सिस्टम को थामने वाला है।

जीवन संवारने वाला भरोसा: कुछ समय पहले स्टैटिस्टिक्स ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में सामने आया था कि अरेंज मैरिज में डाइवोर्स की दर सिर्फ 6 प्रतिशत है। इसी आंकड़े के रेफरेंस देते हुए भारत के 60 प्रतिशत युवाओं ने खुद को अरेंज मैरिज के पक्ष में बताया। सुखद यह है कि ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल से जुड़ी यह सोच युवाओं को आज के दौर में मन और शरीर से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से भी बचाने वाली है। सार्थक बदलाव के साथ इस भाव और विश्वास की बुनियाद को पक्का करने वाले करवा चौथ जैसे पर्व भी मन के मेल को और बढ़ाने वाले ही हैं। अपने परिवार और साथी की कुशल कामना से जुड़े ऐसे त्योहार, थोड़ा ठहर कर यह सोचने का परिवेश बनाते हैं कि हमारे समाज में शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, दो परिवारों का गठजोड़ है। इससे आपसी भावनात्मक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है, समय के साथ बढ़ती जाती है। *

{ दोहे
केदार शर्मा 'निरीह' }

प्रियतम का यूं साथ हो...

धरती पर रस बरसता, कर तम का अवसान।
मन तम को हर लीजिए, हर करके अज्ञान।।
जल बिच खिलती कुमुदनी, चढ़ती ज्यों परवान।
प्रियतम का यूं साथ हो, मांग रही वरदान।।
धरती की कर परिक्रमा, करा नेह का भान।
मेरे प्रियतम संग मैं, करती हूं गुणगान।।
भावों की जलधार से, अर्घ्य का कर दान।
किरण आपकी उतर कर, हरे मनस अज्ञान।।
जीवन झरने सा बहे, प्रियतम के संग-साथ।
छाया हो या धूप हो, रहे हाथ में हाथ।।
सारस संगी सारसी, जैसे आठों याम।
हरिन संग में हरिप्रिया, रमा संग ज्यों राम।।
गिरिजा का ज्यों संग है, गिरिजापति के साथ।
ऐसे साजन साथ दें, सुनिए तारक नाथ।।
युगों युगों से दे रहे, धरती को अवदान।
विनती तारक नाथ से, दें सुहाग सम्मान।।

{ लघुकथाएं }

वचन

प्रवीण को वह करवा चौथ आज भी याद है। जब पत्नी अस्पताल में भर्ती थी। उसके पैर में फ्रेक्चर हो गया था। वह शाम को अपने बिस्तर पर उदास लेटी हुई थी। प्रवीण ने कहा, 'तुम्हारा ऑपरेशन सफल हो गया है फिर क्यों चेहरा लटका रखा है? सुख-दुख तो जीवन में आते-जाते रहते हैं। इसी को ही तो जीवन कहते हैं।'

पत्नी दुखी मन से बोली, 'मुझे अपनी चिंता नहीं है।'

'तो किसकी चिंता है?' प्रवीण ने पूछा।

पत्नी की आंखें नम हो आईं, बोली, 'कल करवा चौथ है और मैं आपकी लंबी उम्र के लिए उपवास भी नहीं रख सकूंगी। बस यही चिंता सता रही है। ईश्वर ने मेरे साथ कितना बुरा किया है।' 'अरे ईश्वर को क्यों कोसती हो...तुम्हें याद है, जब अपनी शादी के फेरे हुए थे तो पंडित जी ने एक-दूसरे का साथ देने के लिए सात वचन करवाए थे। उस समय मैंने भी कहा था, मैं हमेशा तुम्हारे सुख-दुख में सदा साथ रहूंगा। आज शायद वो वचन निभाने का समय आ गया है।' प्रवीण ने पत्नी की हिम्मत बंधाई। पत्नी चौंकी, 'वचन...! करवा चौथ पर कौन-सा वचन निभाओगे?'

'जब तुम मेरी दीर्घायु की कामना करने के लिए पिछले तीस बरसों से करवा चौथ का व्रत करती आई हो... तो कल मैं...।' प्रवीण कुछ और कहता, इससे पहले पत्नी बीच में ही बोली, 'तो कल मैं का क्या मतलब...?' 'कल मैं तुम्हारी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की मन्नत के साथ करवा चौथ का व्रत रखूंगा और तुम्हारे दर्शन करके ही अन्न-जल ग्रहण करूंगा।' प्रवीण पत्नी का हाथ अपने हाथों में लेकर बोला।

यह सुनकर पत्नी के आंखों में आंसू छलक आए। *

- गोविंद भारद्वाज

सम्मान

आज आकाश जी खुशी से फूले नहीं समा रहे थे, उनके बेटे अमित ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान जो प्राप्त किया था।

आकाश जी बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनकी पत्नी प्रभा घरेलू महिला हैं। वह सुबह से ही घर सजाने में व्यस्त थीं। आज मीडिया वाले अमित का इंटरव्यू लेने आने वाले थे। 'मां आप भी तैयार हो जाएं, मीडिया वाले आपसे भी बात करेंगे।' अमित अपनी मां के गले में प्यार से हाथ डालते हुए बोला।

'इन्हें तैयार-वैयार होने की कोई जरूरत नहीं है।' एकाएक आकाश जी बीच में ही बोल पड़े, फिर वह प्रभा की ओर मुखातिब हुए, 'और हां, तुम उन लोगों के सामने आना भी मत। तुम्हें पढ़ाई-लिखाई की बात कहां समझ में आती है। मीडिया वालों के सामने कोई ऊंटपटांग जवाब दे दिया तो भद्द पिट जाएगी।'

आकाश जी की बात सुनकर प्रभा का सारा उत्साह ठंडा पड़ गया। पहली बार उन्हें अपने पति की बात शूल की तरह चुभी थी। ऐसा भी नहीं था कि अनपढ़ होने का तंज उन्होंने पहली बार सहा हो, या इससे पहले कभी उन्हें बच्चों की परवरिश को लेकर पति ने कोई टिप्पणी ना की हो।

तभी दरवाजे की घंटी बजी। मीडिया वाले आ गए थे। आकाश जी आदर के साथ उन लोगों को अंदर लाए। अमित के इंटरव्यू का सिलसिला शुरू हुआ। कई सवाल पूछे जाने के बाद अचानक एक रिपोर्टर की नजर पर्दे की आड़ में से झांक रही किसी महिला पर पड़ी। उसने बरबस अमित से पूछ लिया, 'वे शायद आपकी माता जी हैं, उन्हें तो बुलाइए जरा।'

'अरे, नहीं-नहीं, वो तो हमारी रिश्तेदार हैं। अमित की मां तो मंदिर गई हुई हैं।' आकाश जी ने साफ-साफ झूठ बोल दिया। 'नहीं, यह मेरी मां हैं, पापा झूठ बोल रहे हैं। दरअसल, मेरी मां कम पढ़ी-लिखी हैं, इसलिए पापा उन्हें कभी किसी से नहीं मिलवाते, लेकिन मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं। आज तक मैंने जो भी मुकाम हासिल किया है, वह सिर्फ और सिर्फ अपनी मां की वजह से प्राप्त किया है। अगर मां मेरा साथ ना देतीं तो मैं कब का हार मान चुका होता। जब भी मेरी लगन-मेहनत में कमी होती, मां ही मुझे संभालतीं। मेरी मां के विश्वास ने ही मुझे मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और आज मैं इतनी बड़ी सक्सेस पा सका हूं।' कह कर अमित अपनी मां का हाथ पकड़ कर बैठक में ले आया। उसने मां को अपने पापा के पास वाली कुर्सी पर बैठा दिया।

प्रभा की आंखें खुशी से छलक आई थीं। आज उसके बेटे ने उन्हें बहुत बड़ा सम्मान दिलाया था। *

-शीला श्रीवास्तव

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

इंद्रप्रस्थ भारती का रामदरश मिश्र विशेषांक

अनेक विधाओं के लेखन में सिद्धहस्त, कई पुरस्कारों से सम्मानित सात-आठ दशकों से निरंतर रचनारत वयोवृद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का यह जन्मशती वर्ष चल रहा है। इस अवसर पर उन पर केंद्रित इंद्रप्रस्थ भारती पत्रिका का जुलाई-अगस्त अंक, विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक ना केवल पठनीय अपितु संग्रहणीय भी बन पड़ा है क्योंकि इसमें हम ना केवल रामदरश जी की रचनाशीलता के विभिन्न आयामों से परिचित हो सकते हैं, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को कई लेखकों के नजरिए से समझ भी सकते हैं। पत्रिका के पहले खंड में वरिष्ठ लेखक प्रकाश मनु और ओम निश्चल ने भरपूर भावुकता से मिश्र जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया है तो उनकी पुत्री स्मिता मिश्र की अनुभूतियां भी मार्मिक हैं। दूसरे खंड में मिश्रजी के रचना संसार का एक झरोखा खुलता है। इसमें उनकी कुछ कहानियां, कुछ कविताएं, आत्मकथा के अंश, डायरी के अंश और निबंध पढ़ सकते हैं तो तीसरे खंड में प्रेम जनमेजय, पल्लव, नीलम चतुर्वेदी, वेदमित्र शुक्ल और केशव मोहन पांडे समेत एक दर्जन से अधिक लेखकों ने रामदरश जी की बहुविध रचनाशीलता की महत्ता को रेखांकित किया है। *

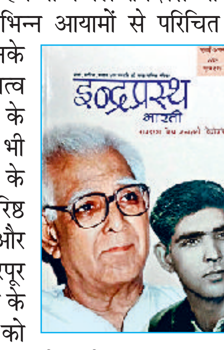

पत्रिका: इंद्रप्रस्थ भारती (जुलाई-अगस्त 2024, रामदरश मिश्र जन्मशती विशेषांक), **संपादक:** संजय कुमार गर्ग, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** हिंदी अकादमी, दिल्ली

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 23.0 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, रविवार, 20 अक्टूबर 2024

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

12 कांग्रेसियों ने काली पट्टी लगाकर जताया विरोध

14 अनजान व्यक्ति एवं कॉल से रहें सावधान : दीपेश

खबर संक्षेप

बीआरसी भवन में दिया गया विज्ञान विषय का प्रशिक्षण

बेमेतरा। शनिवार बीआरसी भवन में एकदिवसीय विज्ञान विषय पर आधारित कार्यशाला के रूप में मेगा ज़ोन संकुल बैठक आयोजित की गई। प्रशिक्षण की शुरुआत करते हुए बीईओ अरुण खरे ने कहा कि वे इस कार्यशाला में प्रशिक्षण से मिली जानकारी अपने विद्यालय में लेकर जाएं ताकि इसका लाभ विद्यालय के सभी बच्चों को मिल सके। पूरे प्रशिक्षण में रोचक और ज्ञान-वर्धक जानकारी मिलने पर कार्यशाला में शामिल होने वालों ने कहा कि यह प्रशिक्षण बहुत ही लाभदायक रहा। इसका उपयोग कर हम विद्यालय में कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक बना पाये। इस दौरान राजेन्द्र साहू बीआरसी, धनजंय शर्मा एपीसी,समस्त संकुल समन्वयक एवं मॉस्टर ट्रेनर मंजू साहू और कृष्ण कुमार करमाकर साथ ही श्रेया दुबे अजीम प्रेमजी से उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से बालक की मौत

थान खम्हरिया। समीपस्थ ग्राम मटिया में तालाब में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। मृतक मिरगी की बीमारी से ग्रसित था। इसके पूर्व भी इस प्रकार की दो बार घटना घट चुकी थी, लेकिन ग्रामीणों की जागरूकता से वह बच जाता था। मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ ग्राम मटिया में सुशील पिता सनत चतुर्वेदी उम्र 19 वर्ष तालाब में दोस्तों के साथ नहाने गया था। तभी उसको अचानक मिरगी आने से वह पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव का पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए मर्च्युरी भेज दिया।

आधुनिकता के साथ मिट्टी से जुड़े रहने की पहल, कुम्हार डिजाइनर दीए भी बना रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

दीपावली को लेकर ग्रामीण अंचल में मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार दिन-रात काम कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस बार डिजाइनर दीए भी बना रहे हैं, जो धीरे-धीरे बाजारों में आना शुरू हो गया है इसके अलावा लक्ष्मी की मूर्तियां भी बना रहे हैं। नवरात्रि उत्सव की समाप्ति के बाद कुम्हार माता लक्ष्मी तथा दीयों के निर्माण में जुटे हुए हैं।कुम्हारों को उम्मीद है कि अब उनका पुस्तैनी कारोबार फिर से लौट आएगा। दीपावली पर इस बार लोगों के घर, आंगन, मिट्टी के दिए से रोशन होंगे। बाजार में भी मिट्टी के दीए बिकने के लिए पहुंच गए हैं।खरीदारी भी शुरू हो गई है।

दीपावली पर रंगबिरंगे झालरों के बीच स्वयं को बचाए रखने की जद्दोजहद

लोगों में भी आ रही जागरुकता

इस बार कुम्हारों ने पारंपरिक दीयों के साथ ही डिजाइनदार दीप ज्यादा बनाए हैं। चाइनीस झालर व मोमबत्तियों की चकाचौंध ने दीयों के प्रकाश को गुमनामी के अंधेरे में धकेल दिया था। कुम्हारों के बने दीप की रोशनी कम हो गई थी। लेकिन पिछले दो वर्षों से लोगों की सोच में खासा बदलाव आया है और एक बार फिर गांव की लुप्त होती इस कुम्हारी कला के पटरी पर लौटने की आस जगने लगी है और इसके संकेत भी मिलने लगे हैं। कुम्हारी कला से निर्मित खिलौने, दिए ,सुराही व अन्य मिट्टी के बर्तनों की मांग बढ़ी तो कुम्हारों के चेहरे खिल गए। लेकिन अब मिट्टी के दीए व बच्चों के खिलौने खूब बिक रहे हैं। अब फिर से गांव व बाजारों तक में दिखने लगे हैं। मिट्टी से निर्मित होने वाले बर्तनों का उपयोग शुरू होने से पर्यावरण भी सुरक्षित हो रहा है। इस बार दीपावली में मिट्टी के सामानों की मांग बढ़ी है।

आरोप : चेचानमेटा मामले में अदिवासी युवक की बहन भारती ने लगाए आरोप

शिकायत वापस लेने बनाया दबाव, भाई के खिलाफ लिखाई झूठी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

विजयादशमी पर्व पर साजा विधानसभा के ग्राम चेचानमेटा में हुई घटना एवं उससे जुड़े विवाद को लेकर मामला लगातार गरमाता जा रहा है। इस मामले में जहां सियासत तेज हो गई है, वहीं दूसरी ओर लगातार नए-नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं।

विधायक पुत्र कृष्णा साहू एवं स्थानीय आदिवासी युवक मनीष मंडावी के बीच हुई वाद-विवाद, मारपीट, जाति सूचक अपशब्दों एवं लूटपाट की घटना के आरोप-प्रत्यारोप के बीच साजा विधायक ईश्वर साहू के प्रेस कांफ्रेंस के बाद अब मनीष मंडावी की बहन भारती मंडावी ने विधायक पर केस वापस लेने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही विधायक पुत्र द्वारा मनीष के खिलाफ झूठी रिपोर्ट लिखाई गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि लूटपाट की घटना विजयादशमी के दिन की ही थी, तो उन्हों ने दो दिन बाद क्यों रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि विधायक के बेटे को मामला दर्ज कराने में दो दिन क्यों लग गए।

भारती मंडावी ने आरोप लगाया कि भाई द्वारा घटना की शिकायत करने के बाद उनकी माँ और दोनों भाइयों के साथ उनको भी विधायक निवास बुलाया गया था। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शिकायत वापस लेने का दबाव बनाकर समझौते करने को कहा जा रहा था। इस दौरान विधायक स्वयं मौजूद थे किन्तु उन्होंने एक भी बार उनके भाई से हालचाल नहीं पूछा और न ही उनके सिर पर लगी चोट की खबर ली।

हमें सिर्फ न्याय चाहिए

वहीं, कांग्रेस से जुड़े होने के आरोप पर भारती ने कहा कि उनका परिवार करीब तीन पीढ़ियों से एक कांग्रेसी नेता के घर से जुड़े हैं, किंतु उनका इसमें अभी तक कोई लेना देना नहीं है। फिलहाल उन्हें और उनके परिवार को इस सम्बंध में सिर्फ न्याय चाहिए। साथ ही पुलिस की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए भारती मंडावी ने पूछा कि अगर यही घटना उनके भाई के बजाए विधायक पुत्र के साथ हुई होती, तो अब तक उनका भाई पहले से गिरफ्तार हो गया होता। किन्तु विधायक पुत्र होने के कारण उन पर मेहरबानी देकर छूट दी जा रही है।

सूदखोरी से परेशान युवक ने पी लिया कीटनाशक, पहुंचा थाना

बेमेतरा/थान खम्हरिया। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 निवासी एक युवक सूदखोरी से परेशान होकर कीटनाशक पी ली। उसके बाद उसने खुद थाने में जाकर पुलिस को जहर पीने की बात बताई। इससे हड़बड़ाई पुलिस ने उसे तत्काल हास्पिटल पहुँचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेमेतरा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। नगर में बगैर लायसेंस सूदखोरी का गोरखधंधा एक जमाने से चला आ रहा है, जिससे कई घर तबाह भी हो चुके हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 निवासी एक युवक ने वार्ड क्र 13 निवासी एक महिला से 25 हजार रूपए ब्याज पर लिए थे। युवक ने पुलिस को बताया कि आर्थिक स्थित खराब होने के कारण मूलधन व ब्याज की राशि चुकता नहीं कर पाया। वह बढ़कर करीब डेढ़ लाख हो गया। युवक ने बताया कि सूदखोर महिला युवक को रूपए के लिए रोज तंग करती थी। उसने पुलिस को दिए बयान में बताया कि महिला को अब तक डेढ़ लाख से अधिक राशि दे चुका है।युवक के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10 बजे दोनों पक्षों के बीच थाने में समझौता को लेकर फिर विवाद हो गया। उसके बाद उसने बननाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उसके बाद स्वयं थाना पहुंचकर मामले की जानकारी पुलिस को दी।

नगर में सूदखोरों का बड़ा आतंक, कई घर बरबाद

नगर के विभिन्न वार्डों में बगैर लायसेंस सूदखोरी का गोरखधंधा एक जमाने से चला आ रहा है, परंतु कोई कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद हैं। कई लोगों ने आत्महत्या कर ली, तो अनेक लोगों के सिर से छत छिन गई। सूद के चक्कर में खेती-बाड़ी तक बिक गई।

खबर संक्षेप

सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंच ने मनाई शरद पूर्णिमा

रायपुर। सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंच की पदाधिकारियों ने रायपुरा स्थित शिखा सदन में शरद पूर्णिमा का आयोजन किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा की उपस्थिति में चांदनी रात में चंद्रमा की शीतलता से अमृत वर्षा पश्चात खीर-पूरी व अन्य लजीज व्यंजनों के साथ शरद उत्सव का आनंद लिया। सुधा शर्मा के भजन को काफी सराहा गया। संचालन महादेवघाट परिक्षेत्र अध्यक्ष रत्ना शर्मा तथा शारदा मिश्रा ने किया। आभार रायपुरा अध्यक्ष शिखा शर्मा ने व्यक्त किया। आयोजन में मुख्य रूप से रत्ना शर्मा, वीणा तिवारी, शारदा मिश्रा, सुधा शर्मा, सुनंदा दुबे, वैजयंती चतुर्वेदी, कविता शर्मा, निशा दुबे, शशि पांडे, शिवम शर्मा, रुक्मिणी पांडे शामिल रहीं।

राजधानी ड्रायक्लीनर्स को उत्कृष्ट पुरस्कार

रायपुर। सफल लॉन्ड्री संचालन के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के इन्फेक्शन कंट्रोल बोर्ड ने राजधानी ड्रायक्लीनर्स संस्थान को उत्कृष्ट पुरस्कार दिया है, जिसे संचालक सूरज निर्मलकर ने ग्रहण किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि मेडिसिन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव लोचन खरे, अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर के निर्देशन में प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक मुखिया देवांगन समाज के अध्यक्ष चोवाराम देवांगन, धोबी समाज के प्रदेश सचिव पीसी निर्मलकर को भी अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों को अस्पताल संचालन में सहयोग देने के लिए और जागृत करने के लिए सम्मानित किया गया।

व्यापारी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष से चैंबर अध्यक्ष ने की भेंट

रायपुर। चैंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी से मुलाकात कर जीएसटी सरलीकरण, एमएसएमई उद्योग, वित्तीय सेवाओं एवं व्यवसाय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान, शिक्षा के लिए सुझाव संबंधी ज्ञापन सौंपा। महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि व्यापारियों में जीएसटी को लेकर आ रही कानूनी और तकनीकी परेशानियों के संबंध में तथा जीएसटी के सरलीकरण एवं युक्तियुक्त करने तथा एमएसएमई उद्योगों के सुदृढ़ीकरण, वित्तीय सेवाओं, लेखाकर्म के छात्रों को व्यवसाय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान, शिक्षा के लिए व्यापारियों द्वारा दिए सुझावों को प्रमुख रूप से चैंबर ने सूचीबद्ध किया।

अपराध नियंत्रण के लिए हो सख्ती, साइबर अपराध रोकने दिखाएं तत्परता-सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हर हाल में कानून और व्यवस्था बहाल रखनी चाहिये। पुलिस त्वरित कार्यवाही करे और चौकन्नी रहे। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री ने साइबर अपराधों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में पुलिस को तत्परता से काम करने के निर्देश दिए हैं। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाली घटनाओं पर पुलिस की पैनी नजर होनी चाहिए और इन घटनाओं के संभावित परिणाम पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जाए। गांजा, अवैध शराब, ड्रग्स की तस्करी पर मुस्तैदी से कार्यवाही हो। श्री साय ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में पुलिस की गश्त नियमित रूप से होनी चाहिए। पुलिस के आला अफसर भी अनिवार्य रूप से पेट्रोलिंग करें।

मुख्यमंत्री ने गृह विभाग के कामकाज की समीक्षा की

सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएं

दुकानें, होटल निर्धारित समय पर बंद होने चाहिए

रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, हवाई अड्डों के साथ ही संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से पुलिस की पेट्रोलिंग होती रहनी चाहिए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, दुकानों, होटलों आदि रात्रि के समय पर निर्धारित समय पर बंद होनी चाहिए। बियर बार एवं होटल निर्धारित समय पर बंद हो ऐसे होटल जहां शराब की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है उन पर सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राईम को रोकने के लिए तत्परता से प्रभावी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन,अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस धनतेरस सोना 80 हजारी सालभर में 17 हजार बढ़े दाम

चांदी एक लाख की राह पर, अभी कीमत 95 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सोने और चांदी की कीमत ने इस साल ऐसी रफ्तार पकड़ी है जैसी पहली कभी नहीं पकड़ी थी। इतिहास में पहली बार सोना अब 80 हजारी हो गया है। इस बार धनतेरस पर ग्राहकों को सोना खरीदने के लिए बीते साल से 17 हजार रुपए दस ग्राम पर ज्यादा देने होंगे। बीते साल धनतेरस पर सोना 63 हजार रुपए था। इसके और पहले 2022 की बात करें, तो सोना उस समय 50 हजार रुपए था। यानी दो साल में कीमत में 30 हजार का इजाफा हुआ है।

इसी के साथ इस बार चांदी की कीमत में भी आग लगी है। अभी चांदी एक लाख तक तो नहीं पहुंच सकी है, लेकिन संभावना है कि धनतेरस तक यह एक लाख के आसपास पहुंच जाएगी। ऐसे में सोना और चांदी निवेश के लिए खरे साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि अपने प्रदेश में रोज सोने और चांदी में 25 करोड़ का निवेश हो रहा है। इसमें से 20 करोड़ का सोने और पांच करोड़ का चांदी में निवेश हो रहा है। बीते साल भर में सोने की कीमत से तो नए-नए रिकॉर्ड बनाने का काम किया है। इस बार जितनी तेजी से इसकी कीमत में इजाफा हो रहा है, उतनी तेजी से कभी नहीं होता था। करीब दो साल में सोने की कीमत 30 हजार रुपए बढ़ी है। 50 हजार वाला सोना 80 हजार हो गया है। यानी कीमत में 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस साल की ही बात करें तो इस साल जनवरी में सोने की कीमत 65300 रुपए थी जो इस समय 80 हजार हो गई है। यानी दस माह में कीमत 15 हजार रुपए बढ़ी है।

चांदी की कीमत एक लाख जाने की संभावना

जहां तक चांदी का सवाल है तो चांदी की कीमत साल के प्रारंभ में 75 हजार रुपए किलो थी जो इस समय 95 हजार पहुंच गई है। वैसे इसके पहले इसकी कीमत 97 हजार तक जा चुकी है। इसकी कीमत एक लाख जाने की संभावना पहले ही थी, लेकिन कीमत वापस कम होने लगी और कीमत बीते माह कीमत 82 हजार तक चली गई। लेकिन वापस अब कीमत बढ़ते-बढ़ते 95 हजार तक पहुंच गई है। संभावना है कि इस बार दीपावली के पहले कीमत एक लाख तक जा सकती है।

सोने-चांदी में 25 करोड़ का रोज निवेश

प्रदेश में राजधानी रायपुर के साथ सभी शहरों को मिलाकर निवेशक रोज करीब 20 करोड़ का सोना निवेश करने के लिए खरीदते हैं। निवेश के लिए खरीदा जाने वाला सोना सिक्कों के साथ बिस्कुट और सिल्ली की शक्ल में होता है। जहां एक ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक के सिक्के मिलते हैं। वहीं किलो में लेने के लिए सिल्ली के रूप में मिलते हैं। निवेश के लिए खरीदे जाने वाले सोने को ही बुलियन कहा जाता है। सोने के साथ ही चांदी में भी निवेश किया जाता है। हालांकि इसमें सोने की तुलना में कम निवेश होता है, क्योंकि इसकी कीमत कम होने के कारण इसको बहुत ज्यादा मात्रा में लेना पड़ता है। चांदी में निवेशक रोज करीब पांच करोड़ लगाते हैं।

बूथों पर फोकस करके रायपुर दक्षिण में जीत की कांग्रेस की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर दक्षिण के उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। शुक्रवार को राजीन भवन में हुई बैठक में बूथों पर फोकस करके जीत की रणनीति बनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी जरिता लेफतलांग, एआईसीसी के सह-सचिव एवं सह-प्रभारी विजय जांगिड़ की उपस्थिति में दक्षिण विधानसभा के चुनाव के संबंध में दो महत्वपूर्ण बैठक ली। पहली बैठक बूथ कमेटियों के प्रभारियों की तथा दूसरी बैठक दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं की हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, दक्षिण विधानसभा में बदलाव की हवा चल रही है। यह चुनाव कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए अवसर है। हम सबको मिलकर इस बार दक्षिण विधानसभा के कांग्रेस को विजयी बनाना है। 20 अक्टूबर को दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन है। हमे एक-एक बूथ में पूरी ताकत से भिड़ना है। भाजपा सरकार की 11 माह की नाकामी इस चुनाव में हमारा सबसे बड़ा मुद्दा है। हमें पूरी एक जुटता से चुनाव लड़ना है और जीतना है। बैठक में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री गुरू रूद्र कुमार, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर, महापौर एजाज ढेबर, पारस चोपड़ा, शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे सहित वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

राजीव वोरा ने कहा- पार्टी ने प्रत्याशी बनाया तो मजबूती से लड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर दक्षिण के उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के दावेदारों में शामिल राजीव वोरा ने अब एक तरफ जहां अपनी दावेदारी से इनकार किया है, वहीं उनका कहना है, अगर पार्टी उनको प्रत्याशी बनाती है, तो मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। उनका कहना है, कांग्रेस में किसी भी तरह की दावेदारी की जरूरत नहीं पड़ती है, तो फिर दावेदारी काहे की। पार्टी खुद से ही योग्य प्रत्याशी को टिकट देने का काम करती है। रायपुर दक्षिण से अब तक भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल ही जीतते रहे हैं। अब उनके सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। इस पर 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। इस बार कांग्रेस में टिकट के लिए थोक में दावेदार हैं। कांग्रेस नेता और इस सीट से मजबूत दावेदार माने जा रहे राजीव वोरा ने अपनी तरफ से जरूर दावेदारी से इनकार किया है लेकिन साथ ही वे कहते हैं कि पार्टी अगर चाहेगी तो वे चुनाव जरूर लड़ेंगे। श्री वोरा ने कहा कांग्रेस पार्टी में टिकट वितरण के लिए पारदर्शी और लोकतांत्रिक सिस्टम है।

भूपेश बोले- प्रदेश में कानून व्यवस्था लगातार हो रही खराब, सभी जिलों में अपराध तेजी से बढ़ रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था दिन प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। कल ही राजधानी रायपुर में 20 लाख की लूट हो गई। आज 10 करोड़ का सोना पकड़ा गया। भानुप्रतापपुर में तो एक बेरोजगार भाजयुमो नेता के पास उसकी कार में करोड़ों रुपए दिखाई दे रहे हैं। वह कहता है रिश्तेदार का पैसा है, कहीं वो रिश्तेदार किसी मंत्री के यहां पदस्थ तो नहीं है। लगातार सभी जिलों में अपराध तेजी से बढ़ रहा है। हत्या, बलात्कार, लूटपाट, चोरी रोजाना हो रही है। मुख्यमंत्री आज समीक्षा बैठक ले रहे हैं। गृहमंत्री भी इस बैठक में शामिल हुए। श्री बघेल ने कहा, गृहमंत्री अपराध रोकने में असफल रहे। प्रदेश में सरकार में कोई विकास कार्य नहीं कर रही है। 10 महीने हो गए, जो काम चल रहे थे वो भी रुक गए हैं। सरकार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सरकार हजारों करोड़ का कर्जा ले चुकी है। श्री बघेल ने कहा कि अभी धान खरीदी सामने है, जब भाजपा विपक्ष में थी तो 1 नवंबर से धान खरीदी करने के लिए बोला करती थी। अब जब भाजपा खुद सरकार में आ गई है, तो धान खरीदी लेट से क्यों कर रही है। पिछले पांच सालों में कांग्रेस की सरकार ने जो काम किया, उसके कारण किसानों की स्थिति में अच्छा परिवर्तन आया और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। खेत बनाने से लेकर सिंचाई और आधुनिक खेती का काम हुआ। पूर्ववर्ती कांग्रेस के कारण किसानों के जीवन में समृद्धि आई है। यह सरकार 14 नवंबर को धान खरीदी करेगी और 31 जनवरी तक धान खरीदी करेगी। इससे सरकार के नीयत में शक हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि सरकार धान खरीदना चाह रही है कि नहीं। इन खरीदी के दौरान लगभग 35 दिनों का सरकारी अवकाश रहेगा। इससे धान खरीदने में परेशानी आएगी। धान खरीदने के लिए सरकार को कम समय मिलेगा।

सरकार चलाने में नाकाम

श्री बघेल ने कहा, साय सरकार, सरकार चलाने में असमर्थ है। चाहे राजधानी हो, न्याय धानी हो, संस्कारधानी हो, अपराध कंट्रोल नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक ली और घटनाओं में लगाम लगाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। सरकार खुद मान रही है कि वह अपराध को नियंत्रण नहीं कर पा रही है। गलती को सुधार नहीं पा रही हैं। मंत्रियों का फोन बड़े पुलिस अफसरों के पास आ जाता है तो पुलिस वाले भी क्या करेंगे। अभी की स्थिति यही है। विधायक ईश्वर साहू के बेटे के खिलाफ एफआईआर कराने में बहुत समय लग गया। वहां तो फोन चले गया तो फिर एफआईआर कहां होगी।

दिनदहाड़े 20 लाख की लूट मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली

रायपुर। मुजगहन थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व कमल विहार सेक्टर-15 में रीयल एस्टेट कंपनी के सुपरवाइजर से 20 लाख रुपए लूट के मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। पुलिस को बदमाशों के बारे में अब तक किसी भी प्रकार का क्लू नहीं मिला है। कमल विहार के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने की वजह से पुलिस को बदमाशों के बारे में सुराग तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि गुरुवार सुबह 11 बजे के करीब रीयल एस्टेट कंपनी के सुपरवाइजर मनोज ध्रुव के साथ अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की थी। सुपरवाइजर द्वारा बाइक की डिक्की के ऊपर रखकर ले जा रहे नोटों से भरे बैग बदमाश लूट लिए थे। बैग लूटने के बाद बदमाशों ने मनोज को धक्का देकर गिरा दिया था। बाइक से गिरने की वजह से बदमाश किस दिशा में भागे, मनोज उन्हें देख नहीं पाया।

रूट में लगे कैमरे की पड़ताल - पुलिस के अनुसार, घटनास्थल तथा आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए हैं। बदमाशों द्वारा रेकी कर लूट करने की बात सामने आ रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मनोज के निवास बोरियाखुर्द से कमल विहार स्थित अपने ऑफिस आने-जाने के मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की जा रही है।

न्यायालय परिसर में लगाया स्वास्थ्य शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर रायपुर में शुक्रवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में वकीलों के अलावा कोर्ट में आए लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य शिविर में जिला न्यायालय के न्यायधीशों ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हितेंद्र तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है, हेल्थ इज वेल्थ, वकील भागदौड़ भरे जीवन में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अपने स्वास्थ्य के साथ अन्याय न करें।

दक्षिण विधानसभा में निर्वाचक नामावली कार्यक्रम 14 नवंबर तक स्थगित

रायपुर। राजधानी के रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 19 वार्डों में मतदाता सूची में नाम पंजीयन, विलोपन, स्थानातंरण एवं प्रविष्टि में किसी भी प्रकार के आवश्यक संशोधन करने संबंधी निर्वाचक नामावली कार्यक्रम को जिला प्रशासन ने 14 नवंबर तक स्थगित कर दिया है। रायपुर दक्षिण विधानसभा-51 में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। इसकी प्रक्रिया शुक्रवार को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो गई है। उपचुनाव के दौरान मतदाताओं में किसी प्रकार के भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।इसे देखते हुए प्रशासन ने आयोग की सहमति से विधानसभा 51 अंतर्गत आने वाले वार्डों में निर्वाचक नामावली कार्यक्रम को 14 नवंबर तक स्थगित कर दिया है।

कांग्रेसियों ने काली पट्टी लगाकर जताया विरोध

बेमेतरा। जिला, शहर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के बैनर तले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मजगांव राम मंदिर की भूमि खरीदी-बिक्री के मामले में कारवाई की मांग को लेकर किए जा रहे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के छठवें दिन काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इसके साथ ही अब 21 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित राम मंदिर बेमेतरा से मजगांव स्थित राम मंदिर तक पदयात्रा के निकालने की घोषणा की है। इस दौरान रास्तेभर रामधुनी कर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष शकुंतला साहू, सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी, लुकेश वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, जोगेंदर छाबड़ा, ललित विश्वकर्मा, रीता पांडे शहर महिला अध्यक्ष, पार्षद मनोज शर्मा, रश्मि मिश्रा, अखिलेश नामदेव, धरम वर्मा, राजू साहू सहित कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

पांच नए समेत 10 जिलों में आरक्षण प्रतिशत व रोस्टर तय करने बनी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में हाल ही में गठित किए गए पांच नए जिलों सहित 10 जिलों में आरक्षण के प्रतिशत और रोस्टर बिंदुओं का पुनर्निर्धारण करना और सरकारी नौकरियों में सीधी भर्ती के लिए आरक्षण प्रणाली को सुसंगठित करने की तैयारी है। यह कदम राज्य में आरक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। इस संबंध में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक कमेटी गठित करने का आदेश जारी कर दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण प्रतिशत और आरक्षण रोस्टर बिंदुओं के निर्धारण और परीक्षण हेतु एक विशेष पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी राज्य के विभिन्न जिलों में सीधी भर्ती के लिए आरक्षण प्रक्रिया का आकलन करेगी। जारी आदेश के अनुसार, यह कमेटी छत्तीसगढ़ राज्य की वर्ष 2001 की जनसंख्या के आधार पर, 5 मौजूदा जिलों—राजनांदगांव, रायगढ़, बलौदाबाजार-भाटापारा, जांजगीर-चांपा और कोरिया और 5 नवगठित जिलों—मोहला-मानपुर अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आरक्षण संबंधी प्रक्रिया का परीक्षण करेगी।इस कमेटी का कार्य इन जिलों में आरक्षण के प्रतिशत और रोस्टर बिंदुओं का पुनर्निर्धारण करना और सरकारी नौकरियों में सीधी भर्ती के लिए आरक्षण प्रणाली को सुसंगठित करना होगा। यह कदम राज्य में आरक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

कमेटी में शामिल हैं ये अधिकारी

इस कमेटी में सामान्य प्रशासन विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार को अध्यक्ष बनाया गया है। रमेश शर्मा विशेष सचिव सदस्य, लवीना पांडेय उप सचिव सदस्य सह-संयोजक, नीलम टोप्पो उप सचिव तथा डॉ. अनिल विरूलकर सदस्य बनाए गए हैं। कमेटी को अगले सात दिनों के भीतर सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव को अपनी रिपोर्ट पेश करनी है।

खबर संक्षेप

मिनी स्टील प्लांट के अशोक अध्यक्ष, मनीष महासचिव

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। चुनाव अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल एवं डॉ. मनीष मंडल ने आगामी वर्ष 2024-25 से 2026-27 के लिए निर्विरोध अशोक कुमार अग्रवाल को अध्यक्ष एवं मनीष धुप्पड़ को महासचिव पद पर सर्वसम्मति से नियुक्त किया। चुनाव अधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं महासचिव को पदाधिकारी एवं विभिन्न समितियों के गठन हेतु पूर्ण अधिकार दिया गया। जिसके उपरांत पदाधिकारियों का अपनी नई कार्यकारिणी की गठन किया। इसमें आईपीपी पूर्व अध्यक्ष विकास अग्रवाल को बनाया गया। उपाध्यक्ष सुरेश गोयल, पंकज अग्रवाल और मुकेश पांडेय। सहसचिव प्रदीप अग्रवाल और अरविन्द गोयनका। कोषाध्यक्ष विवेक अग्रवाल बनाए गए हैं। अशोक अग्रवाल और मनीष धुप्पड़ ने कहा हमारी संस्था पूरे भारत एवं छत्तीसगढ़ राज्य के स्टील उद्योगों का प्रतिनिधित्व करती है।

आरपीएफ के बाद अब बॉडी-वार्न कैमरे लगाकर ट्रेन में चलेंगे टीटीई

हर गतिविधि की होगी रिकॉर्डिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

- योजना लागू करने रेल मंडल ने कवायद की तेज, जल्द कैमरे की होगी खरीदी

वॉकी-टॉकी के साथ बिलासपुर रेल मंडल के टीटीई बाडी-वार्न कैमरा लगाकर ट्रेन में ड्यूटी करते नजर आएंगे। इस योजना पर उच्चाधिकारियों के बीच सहमति भी बन चुकी है। बहुत जल्द कैमरे की खरीदी होगी। यह कैमरा एक छोटा रिकार्डिंग डिवाइस है। इसका उपयोग आमतौर पर पुलिस या सुरक्षाकर्मी करते हैं। रेलवे में आरपीएफ को कैमरे दिए गए हैं। यह कैमरा उन घटनाओं को रिकॉर्ड करता है, जिसका सामना अधिकारी या कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान करते हैं। टीटीई रेलवे के फ्रंट स्टाफ कहलाते हैं। उनके लिए भी यह बेहद आवश्यक है। उन पर हमेशा यात्रियों से अधिक वसूली, हुज्जतबाजी आदि आरोप लगते हैं। इस आरोप की वजह से कई बार टीटीई निर्दोष होते हुए भी कार्रवाई की जद में आज जाते हैं। ऐसा कई बार हो चुका है। रेल मंडल का मानना है कि बॉडी-वार्न कैमरा लगाकर जब टीटीई ट्रेन में चलेंगे तो पहले इसे स्टार्ट करना होगा। इसके बाद वहां जहां-जहां जाएंगे, सामने की गतिविधियां कैमरे में कैद होती जाएंगी।यह रिकॉर्ड होगा, जिसके सहारे वह लगने वाले आरोपों से बच सकते हैं। इसके साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए भी यह जरूरी है।

वॉकी-टॉकी की बढ़ा रहे संख्या

इन उपकरणों से लैस टीटीई से यात्री बेवजह उलझने का प्रयास नहीं करेंगे। बिलासपुर रेल मंडल में ट्रेन में ड्यूटी करने वाले 200 टीटीई वॉकी-टॉकी से लैस करने की योजना है। इसके तहत 150 वॉकी-टॉकी दिए जा चुके हैं। टीटीई अब वॉकी-टॉकी लेकर ड्यूटी कर रहे हैं। इस उपकरण की मदद तब मिलती है, जब ट्रेन ऐसी जगह पर रहती है, जहां नेटवर्क नहीं रहता। नेटवर्क विहीन सेक्शनों में भी टीटीई एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इस व्यवस्था से वह खुश हैं। वॉकी-टॉकी योजना की सफलता के बाद अब रेल मंडल बॉडी- वार्न कैमरे देने की तैयारी कर रहा है। बहुत जल्द यह व्यवस्था लागू हो जाएगी।

चौक-चौराहों पर लगे आईटीएमएस के 8 सिग्नल और 12 कैमरे बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

- स्मार्ट सिटी के प्रबंध संचालक ने बैठक में दिए सिग्नल-कैमरे जल्द चालू करने के निर्देश

राजधानी रायपुर के विभिन्न चौराहों पर एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के अंतर्गत लगे 8 सिग्नल एवं 12 कैमरे बंद हैं। अधिकारी इन सिग्नल एवं कैमरों के बंद होने का कारण आवश्यक निर्माण कार्यों को बता रहे हैं। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को बंद सिग्नल एवं कैमरों को जल्द से जल्द चालू करने के निर्देश दिए हैं। अविनाश मिश्रा ने शुक्रवार को शहर के चौराहों पर लगे रोड सिग्नल व कैमरों का प्रचालन दुरुस्त रखने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नगर निगम के जोन अधिकारी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जलापूर्ति, सूचना प्रौद्योगिकी, अमृत मिशन के प्रभारी व एलएंडटी समूह के प्रतिनिधि शामिल थे। इस बैठक में शहर के चौराहों पर लगे सिग्नल और कैमरों में कितने चालू हैं और कितने बंद हैं तथा बंद होने की वजह क्या है, इसकी रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आवश्यक निर्माण कार्यों के कारण शहर में 8 सिग्नल और 12 कैमरे बंद हैं। इस रिपोर्ट पर अविनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 7 दिवस के भीतर निर्माण संबंधी कार्य पूर्ण करें और बंद सिग्नल और कैमरों को चालू कराएं।

अस्पताल को संक्रमण से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह का आयोजन शुक्रवार को आंबेडकर अस्पताल के टेलीमेडिसिन हाल में किया गया। इंफेक्शन कंट्रोल विभाग के डॉक्टरों एवं नर्सिंग टीम के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समस्त नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टॉफ ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान रंगोली, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न आईसीयू, वार्ड और ओपीडी में स्वच्छता बनाए रखने एवं संक्रमण प्रसार को रोकने की दिशा में बेहतर कार्य करने वाले नर्सिंग इंचार्ज एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। मेडिसिन विभाग के डॉ. आरएल खरे ने इस दौरान कहा कि अस्पताल में संक्रमण के प्रसार को रोकने की जिम्मेदारी हम सबकी है। हैंड हाइजीन, एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप, वैक्सीनेशन, वातावरणीय स्वच्छता, पीपीई किट, नीति और नेतृत्व की प्रतिबद्धता और नये नवाचारों तथा उन्नत प्रौद्योगिकी के जरिए अस्पताल में संक्रमण के प्रसार को रोका जा सकता है। सहायक नर्सिंग अधीक्षक डॉ. नंदा रंगारी ने बताया कि इंफेक्शन प्रिवेंशन की छोटी-छोटी आदतों के जरिए हम इन्फेक्शन को कंट्रोल कर सकते हैं। वर्तमान में आंबेडकर अस्पताल में इंफेक्शन कंट्रोल विभाग कार्यरत है। इन्फेक्शन कंट्रोल नर्सेस के तौर पर सोनल तिवारी, निधि सिंह, स्वप्निल तिवारी, सोनाली सोना और प्रियंका लाल कार्यरत हैं। इस आयोजन के दौरान माइक्रोबायोलॉजी की डॉ. रूपम गहलोत, डी. अश्लेश्म, ए. दास, मंजू बघेल, वीणा पूर्ति, डॉ. रीना राजपूत, फार्मासिस्ट हरिशंकर साहू समेत अस्पताल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेड़ों की कटाई पर लगे रोक कंपनी के फर्जीवाड़े की हो जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हसदेव अरण्य में परसा कोल ब्लॉक के विरोध में स्थानीय आदिवासी समुदाय ग्राम हरिहरपुर में पिछले ढाई सालों से आंदोलन चल रहा है। 16 अक्टूबर से ही परसा कोल ब्लॉक के साल्ही गांव के जंगलों की कटाई की सुगबुगाहट शुरू हो गई। शाम होते ही पुलिस बल भी आ गया। 17 अक्टूबर की सुबह से बड़ी तादाद में पुलिस बल के संरक्षण में जंगलों की कटाई शुरू हुई। इसे रोकने लोग प्रदर्शन करने लगे, तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इससे गंभीर लोगों को गंभर चोटें आईं। इनमें महिलाएं भी घायल हुई हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को छावनी बना दिया है और बेतरतीब हज़ारों पेड़ों की कटाई की जा रही है। राजधानी में आंदोलन से जुड़े संगठन के पदाधिकारी जनक लाल ठाकुर, बीवे रावटे, सुदेश टीकम ने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान को कोयला पहुंचाने और अदानी का कारोबार बढ़ाने के लिए हसदेव जंगल में एक नई खदान, परसा कोयला खदान को जबरिया चलाने के लिए निर्दोष ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किया जाना गलत है।

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में इस बार 38 सेक्टर

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सोसायटी में सेक्टर प्रभारियों की बैठक हुई। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि विधानसभा क्षेत्र को 38 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा, जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में केवल 19 सेक्टर बनाए गए थे। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की परेशानी को रोकना है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है। बैठक में सभी सेक्टर प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे मतदान केंद्रों का निरीक्षण करें और उनकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। बैठक में सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद और जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल के अलावा अन्य सेक्टर प्रभारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कंवर समाजिक भवन के लिए किया गया भूमिपूजन

डौंडीलोहारा। नगर में कंवर समाज भवन निर्माण कार्य का नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेश्वरी साहू ने भूमिपूजन किया। बता दें कि अनिला भेंडिया द्वारा विधायक निधि से वार्ड क्रमांक 11 में कंवर समाज के भवन के लिए स्वीकृति दी गई है। भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रेसिडेंट इन काउंसिग सदस्य उपाध्यक्ष विद्या शर्मा, सभापति अनीता साहू, ममता शर्मा, झुमुक लाल कोसमा, अशोक चनाप के साथ ही कंवर समाज के अध्यक्ष सुमन कंवर सहित समाज के अन्य लोग, नगर पंचायत स्टाफ ईश्वर आर्य, गोविंद उइके और गोपी साहू सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

जड़ी-बूटी की दुकान में चोरों का धावा

बालोद। करीब एक माह पहले जिस चश्मा दुकान में चोरी हुई थी, ठीक उसके 300 मीटर की दूरी पर स्थित एक जड़ी-बूटी की दुकान में अज्ञात चोर ने धावा बोल दिया। शहर के रिहायशी इलाके दल्लीचौक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, बिजली विभाग व रेस्ट हाउस के बेहद नजदीक स्थित टुवानी जड़ी बूटी की दुकान में देर रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद कोतवाली पुलिस द्वारा रात्रि गश्त करने के दावों की पोल खुल गई है। दरअसल थाने में शिकायत करने पहुंचे विमल किशोर टुवानी ने बताया कि सुबह 7 बजे जब दुकान खोली तो दुकान के अंदर सीसीटीव्ही कैमरा की टीवी टूटी हुई हालत में नीचे पड़ी मिली। वहीं, सभी गल्ले खुले थे। इस दौरान शंका होने पर चेक करते दुकान की ऊपर छत की ओर सीढ़ी के माध्यम से जाने पर ऊपर छत में लगी खिड़की के लोहे के एक पल्ला टूटा हुआ था। इससे पता चलता है कि पल्ले को तोड़ कर कोई अज्ञात चोर रात्रि में चोरी करने की नीयत से दुकान में घुसा था। दुकान में रखे गल्ले को चेक करने पर 10 रूपये के सिक्का के प्लास्टिक के दो पैकेट जिसमें 100-100 नग रखा था, 50 रूपये का 10 नोट एवं कुछ चिल्हर पैसे करीबन 60 रूपये कुल जुमला 2560 रूपये नहीं थे। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

नौकरी लगाने के नाम पर करोड़ों की ठगी, दो और पकड़ाए

डोंडी। नौकरी लगाने के नाम पर 70 लोगों से लगभग 3 करोड़ 70 लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, इस मामले में पुलिस 3 लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

थाना डौण्डी के अपराध क्रमांक 54/2024 धारा 420, 34 भादवि के प्रार्थी चंदर नुरूटी पिता लीलाराम नुरूटी उम्र 43 साल साकिन ओड़गांव थाना डौण्डी जिला बालोद ने 8 सितंबर को वर्ष 2022 में वन विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर घोटिया निवासी देवेन्द्र ठाकुर के माध्यम से 4 लाख 70 हजार रूपये, हरेन्द्र नेताम एवं मदार खान उर्फ सलीम खान व प्रदीप ठाकुर को दिए थे।

अभियान : साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा अभियान के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक

अनजान व्यक्ति एवं कॉल से रहें सावधान : दीपेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

जिले में पुलिस विभाग द्वारा 5 अक्टूबर से चलाये जा रहे साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा चजाया जा रहा है। इसका समापन समाधान कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक दिपेश साहू थे, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, जिले के पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू एवं भाजपा प्रदेश के कार्यकारणी सदस्य राजेन्द्र शर्मा, प्रेस क्लब अध्यक्ष दिनेश दुबे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओपी मनोज तिर्की ने कहा कि साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत जिले के 72 स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस दौरान एक लाख से अधिक लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। जिले के साइबर सेल के प्रधान आरक्षक लोकेश सिंह ने अपनी पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से बेसिक से एडवांस लेवल तक पहुंच के साइबर खतरों से परिचित कराया। वर्तमान में हो रहे विभिन्न प्रकार के स्कैम जैसे- एपीके स्कैम, सिम स्वॅपिंग स्कैम, सेक्सटार्शन, शेयर मार्केट स्कैम, लॉटरी स्कैम, फेक लोन स्कैम, ट्रैवल एजेंसी स्कैम, पार्ट टाइम जॉब स्कैम एवं डीप फेक वीडियो स्कैम के प्रति सचेत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू ने कहा कि वर्तमान में अपराध का तरीका समय के साथ बदल चुका है। लोग ऑनलाइन ठगी का शिकार हो रहे हैं। अनजान व्यक्ति व कॉल से अपना बचाव करें तथा स्वयं जागरूक होकर आसपास के लोगों को भी जानकारी प्रदान करें। जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रवाल ने कहा कि साइबर क्राइम का दायरा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अपराधी गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। जब तक घटना हमारे स्वयं के साथ नहीं घटती तब तक हम इसके प्रति जागरूक नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों द्वारा बताई जा रही सावधानियों का हमेंशा ध्यान रखें।

साइबर फ्रॉड होने पर टोल फ्री नंबर 1930 पर करें शिकायत- पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि आज के तकनीकी युग में मोबाइल ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन उसके साथ ऑनलाइन अपराधों के खतरे भी बढ़ गए हैं। हमारी जरा सी लापरवाही से हैकर्स हमारे मोबाइल को हैक कर रहे हैं, उनके पास हमारी पूरी व्यक्तिगत जानकारी पहुंच जाती है। वे इसका गलत इस्तेमाल करके मानसिक रूप से प्रताड़ति कर रहे हैं। जागरूकता अभियानों में बताए गए सुझावों को अपनी दिनचर्या में लाएं एवं साइबर फ्रॉड होने पर टोल फ्री नंबर 1930 शिकायत दर्ज करें। सही समय पर शिकायत दर्ज होने पर पैसे वापस करने में आपकी मदद करेगा।

पढ़े-लिखे लोग भी हो रहे आर्थिक व मानसिक प्रताड़ना के शिकार

राजेंद्र शर्मा ने कहा कि साइबर अपराध के कारण सभ्य लोग आर्थिक व मानसिक रूप से ज्यादा प्रताड़ति हो रहे हैं। सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष दिनेश दुबे ने कहा कि सार्थक प्रयासों से साइबर अपराध को कम करने में अवश्य सफल होंगे। महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें नुकसान ज्ञान के अभाव में होता है। साइबर क्राइम के संबंध में जो जानकारी दी जा रही है, उसे हमेशा ध्यान में रखकर सतर्क रहना होगा। कार्यक्रम में विधायक ने शपथ दिलाई। अंत में डीएसपी राकेश झा ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों को महाविद्यालय के प्रतीक चिन्ह (डायरी) भेंटकर सम्मानित किया गया एवं साइबर वॉलेटियर्स को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मान प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी एवं मीडिया के सदस्य तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, उप -प्राचार्य लक्ष्मी नारायण साहू, एनएसएस व क्रीड़ा अधिकारी राजेश गजपाल, सहायक प्राध्यापक डॉ.जीडी मानिकपुरी, विनीता अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा, अंशु दत्ता, शुभम गजभिये सहित सभी व्याख्याता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ कलाम ने चुनौतियों को कभी अपने जीवन मार्ग में बाधा बनने नहीं दिया

पूर्व माध्यमिक शाला रानो में बैगलेस डे पर मनाई गई पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

विकासखण्ड साजा अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो की विज्ञान एवं नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने माह के तृतीय शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर शाला में मॉडल एवं जीवनी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस दौरान बच्चों ने बहुत ही सुंदर ढंग से उनकी जीवनी को अपने शब्दों में ढाला और बहुत सुंदर मॉडल बनाए। शिक्षक अवध राम वर्मा ने बच्चों को सामूहिक रूप से पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम के जीवन से संबंधित बातों, उनकी उपलब्धियों एवं जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों तथा वे किस तरह से एक होनहार विद्यार्थी से देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति तक पहुंचे, इन सभी बातों का उल्लेख किया। शिक्षिका कनकलता सरसुधे ने बताया कि डॉ कलाम अपनी मां के बहुत क़रीब थे। उनकी मां अपने बेटे अब्दुल को अपने हिस्से का खाना भी दे दिया करती थीं। जब ये बात डॉ कलाम को पता चली, तो उन्हें बहुत दुःख होता था। अंत में नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने कहा कि जिस तरह डॉ कलाम ने अपने जीवन की चुनौतियों को बाधा बनने नहीं दिया और निरंतर प्रयास और संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते चले गए। उसी तरह हम सभी को भी अपने जीवन की चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए और अपने कठिन परिश्रम से अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर होना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों में जीवन के प्रति उनकी सोच एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। इस अवसर पर प्रधान पाठक किशुन राम साहू, शिक्षक अवध राम वर्मा, शिक्षिका कनकलता सरसुधे सहित समस्त बच्चे उपस्थित रहे।

सिंघौरी स्कूल में बच्चों को बताई गई पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम की जीवनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में बस्तामुक्त दिवस पर बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से पूर्व राष्ट्रपति (मिसाईल मैन) डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी की जीवनी को दिखाया गया। साथ ही बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ करके पुराने कागजों पर बहुत ही सुंदर क्राफ्ट निर्माण कार्य किया गया। कुछ बच्चों ने एपीजे अब्दुल कलाम एवं दशहरा पर्व से संबंधित चित्र बनाए। प्रधान पाठक एवं स्कूली शिक्षकों द्वारा बच्चों को कलाम साहब की जीवनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान शाला में संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा सहित सरस्वती साहू, आगेश्वरी साहू, राजेश्वरी ठाकुर, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर एवं प्रशांत बघेल उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर ग्राम मटका में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

शरद पूर्णिमा पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मटका में छत्तीसगढ़ की लोक गायिका छाया चंद्राकर का रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान लोकगायिका छाया चंद्राकर ने अपनी सुरीली स्वर मे सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि हमारे देश की परंपरा रही है कि हम सब कोई भी उत्सव एक साथ मिलकर ही मनाते हैं और हमारे यहां इस तरह से सामूहिकता के साथ समाज में अच्छे कार्यों व उत्सवों को संकल्प के साथ मिलकर मनाने की परंपरा भी रही है। कार्यक्रम में अनिल यदु जनपद सदस्य, खूबी लाल ध्रुव, सरपंच, शत्रुहान यदु दानी साहू, पावन साहू, टीकाराम साहू, जीतेन्द्र यदु, द्वारिका ध्रुव, धन्नू साहू, दीपक साहू महेतरू ध्रुव संचालक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

गोबर से विभिन्न वस्तुएं बनाने का दिया प्रशिक्षण

बेमेतरा। जिला मुख्यालय स्थित लक्ष्मण प्रसाद वैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय के इंग्लिश विभाग और इको क्लब ने "वेस्ट टू बेस्ट" अभियान के तहत छात्रों को गोबर से विभिन्न वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान समाधान महाविद्यालय के वाइस प्रिंसिपल लक्ष्मीनारायण साहू और प्रशिक्षक तरुण कुमार वर्मा ने छात्रों को गोबर से दीये और अन्य वस्तुएं बनाने की कला सिखाई। इस पहल से छात्रों ने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ विनिता गौतम ने कहा, ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति सजग बनाते हैं और उन्हें रचनात्मक तरीके से समाधान खोजने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन दीनानाथ सारथी एवं डॉ. मेघा तिवारी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों ने सीखा फूलों से गुलदस्ता बनाना, मेहंदी व पेंटिंग भी सीखी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

सुरक्षित शनिवार के दिन शासकीय प्राथमिक शाला गुनरबोड़ में पुष्प सज्जा, मेहंदी, एवं ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने बहुत उत्साह से भाग लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए सुन्दर चित्रकारी की। आकर्षक मेहंदी के डिजाईन से हाथों को सजाया। विभिन्न प्रकार के फूलों से गुलदस्ते का निर्माण करना शिक्षिका विधि शर्मा ने बच्चों को सिखाया। चित्रकला प्रतियोगिता में बजरंग, पवन, रोहन, नितिन ने हिस्सा लिया। इसी तरह मेहंदी प्रतियोगिता में मीनाक्षी, कविता, लावण्या, प्रिया, हर्षिका, आदि बच्चों ने उत्साह से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इसी के साथ नवाचारी शिक्षिका विधि शर्मा ने बच्चों को सर्प जहरीले कीड़े आदि से दूर रहने को कहा। किसी भी तरह के कीड़े, सर्प आदि दिखने पर वहाँ से दूर हट जाने को कहा। आसपास सफाई का ध्यान रखने की सलाह दी। यदि किसी को सर्प काट लें तो तुरंत अस्पताल ले जाएं। किसी तरह के झाड़ फूँक में समय ना गँवाए। इस तरह की जानकारी बच्चों को दी साथ ही नवाचारी शिक्षिका विधि शर्मा ने बच्चों को सड़क यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बच्चों को दाएं बाएं देखकर सड़क पार करना है। दौड़कर कभी भी सड़क पार नहीं करना बताया। सभी आयोजन में शाला की प्रधान पाठिका आशा कुजूर, डीएलएड के छात्र अध्यापक रविन्द्र राजपूत, भोलेश्वर कौशिक, मनीष चंद्रवंशी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय ठेलका में हुई भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

बेमेतरा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन शनिवार को स्वामी आत्मानन्द हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय ठेलका में किया गया। परीक्षा में हिंदी माध्यम के 350 और अंग्रेजी माध्यम से 87 परीक्षार्थी शामिल हुए। इस दौरान संस्था के प्राचार्य टी एल साहू ने कहा कि इस तरह की परीक्षा से निश्चित ही बच्चों को अपनी संस्कृति से परिचित होने का मौका मिलता है। इस अवसर पर संस्था के सभी शिक्षक-शिक्षिकायें उपस्थित रहे। परीक्षा का संचालन धर्मपाल वर्मा एवं दुर्गेश साहू ने किया।

गाली देने से मना किया तो की मारपीट, 3 पर मामला दर्ज

बालोद। घर के बाहर गाली गलौज करने से मना करने का आरोप लगाते हुए एक महिला ने तीन लोगों के खिलाफ कोतवाली पुलिस में मामला दर्ज कर कराया है। शहर के वार्ड क्रमांक 12 आमापारा निवासी श्याम बाई ढीमर ने पुलिस को बताया कि 17 अक्टूबर को रात्रि करीबन 8 बजे परिवार के साथ खाना खा रहे थे। तभी पड़ोसी विक्की ढीमर मेरे घर के सामने आकर गाली गलौज कर रहा था। तब मैं घर से बाहर निकलकर विक्की ढीमर को गाली देने से मना किया। इस पर तुम कौन होती हो मुझे मना करने वाली कहकर और जोर-जोर से गाली गलौज करने लगा। तभी उसकी मां अनुपा ढीमर एवं भाई सागर ढीमर भी वहाँ पर आ गए और तीनों ने गाली गलौज कर धमकी देते हुए मारपीट की।

पाठक सूचना

बेमेतरा जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

8319154342, 8224868411

अग्निशमन अधिकारी ने दीपावली को देखते हुए जारी की एडवाजरी

पटाखे चलाते समय बरतें सावधानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित एडवाइज़री जारी की गयी है। ज़िला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि व्यक्ति लायसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें। साथ ही यह सुनिश्चित करें, कि आप गुणवत्ता वाले पटाखे ही खरीद रहे हैं, जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने वाले हों। इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर पार्क, बड़े मैदान जैसे खुले स्थानों में पटाखे जलाएं। पटाखे जलाते समय संभावित आपातकालीन स्थिति के लिये पानी की भरी बाल्टी निकट रखें और आग से संबंधित चोटों के जोखिम को कम करने के लिये सूती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें। क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आसानी से आग पकड़ सकते हैं। पटाखे जलाते समय बच्चों की निगरानी के लिये हमेशा एक वयस्क साथ हो यह ध्यान रखें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षा उपायों का पालन कर रहे हैं। पटाखे फोड़ने के बाद इस्तेमाल किये गये पटाखों का बाल्टी के पानी में सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी बची हुई चिंगारी से अग्नि दुर्घटना ना हो। उन्होंने कहा कि एक बार में एक ही पटाका जलाये, आग लगने की आशंका को देखते हुए एक साथ कई पटाखे जलाने से बचे। पटाखे में आग लगने के बाद उससे सुरक्षित दूरी रखें। पटाखे जलाते समय हमेशा हवा की दिशा को ध्यान रखें, जिससे की उसकी चिंगारी घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़े। ज़िला सेनानी श्री सिंह ने घर के अंदर, खिड़कियों के पास या अन्य बंद स्थानों पर कभी पटाखे नहीं जलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पटाखे जलाते समय ढ़ीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचे क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकती है।

ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग न करें

श्री सिंह ने कहा कि ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग न करें। पटाखों को सूखी पत्तियों, गैस सिलेण्डर या वाहनों जैसे वस्तुओं से दूर रखें। आगे कहा कि यदि कोई पटाका जलाने में विफल रहता है तो उसे पुनः जलाने का प्रयास न करें, अपितु कुछ देर प्रतिक्षा करने के उपरांत उसका सुरक्षित रूप से निपटान करें। यह सुनिश्चित करें कि पटाखे ऐसे स्थानों में न जलाए जाएं जो आग लगने की स्थिति में आपातकालीन निकास मार्ग को अवरूद्ध कर सकते हैं। तेल के दीयों या मोमबत्तियों को जलते हुए उपेक्षित ना छोड़ें, विशेष रूप से पर्दों या ज्वलनशील पदार्थों के पास। किसी भी तरह की चोट लगने या जलने पर तुरन्त चिकित्सक की सलाह लें तथा उचित मार्गदर्शन के बिना घरेलू उपचार ना करें।

online Booking:-www.tripuryatra.com

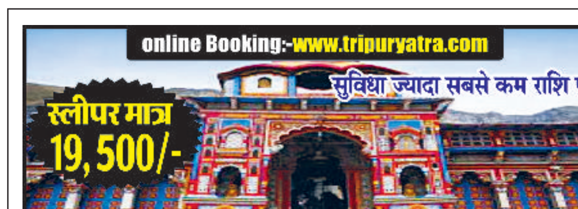

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर

स्लीपर मात्र 19,500/-

चार धाम यात्रा

श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश

By Train-रिजर्वेशन कोच

27 अप्रैल से 10 मई 2025, 02 मई से 15 मई 2025

8 मई से 21 मई 2025, 13 मई से 26 मई 2025

चार धाम यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें - 7354411411

राशिः-स्लीपर-19,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा

RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:-7354-411411